DAINIK BHASKAR, Surat, 25.5.2020
Page No. 10, Size:(20.19)cms X (10.17)cms.

लॉकडाउन में ढील के साथ ही बुलेट ट्रेन परियोजना संबंधी काम भी फिर से लौट रहे पटरी पर: कॉर्पोरेशन

बुलेट ट्रेन के ट्रैक तथा रास्ते में पड़ने वाली संरचनाओं आदि के स्थानांतरण का काम शुरू

भास्कर न्यूज | अहमदाबाद

जापान के सहयोग तथा एक लाख करोड़ रूपये से अधिक की लागत वाली महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के संचालन के लिए गठित नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने रविवार को कहा कि कोरोना संकट के चलते लगाये गये लॉकडाउन के प्रतिबंधों में धीरे धीरे ढील दिये जाने के साथ ही वह अपने सभी कार्यालयों को पूरी तरह खोलने तथा निर्माण कार्य और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया फिर से शुरू करने समेत अन्य कार्यों की शुरूआत कर रही है। कार्पोरेशन ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा कि लॉकडाउन की अवधि का उपयोग भी विभिन्न विभागों के प्रयासों के समन्वय तथा इन्हें परियोजना के अन्य अंशधारकों जैसे आरआईटीईएस और जापानी अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों आदि के साथ समन्वित करने के लिए किया गया। इसी दौरान पहली बार तीन निविदाओं के लिए बोली पूर्व की बैठक का आनलाइन आयोजन भी किया गया। कार्पोरेशन के सभी विभाग भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये नियमित तौर पर बैठकें कर रहे थे। इस तरह से परियोजना संबंधि काम लॉकडाउन के दौरान भी कभी भी पूरी तरह ठप नहीं हुआ था। बयान में कहा गया है कि अब जब सामाजिक दूरी तथा स्वच्छता मानकों को बढ़ाते हुए नियमित कार्यों को सामान्य करने की तरफ बढ़ा जा रहा है, कार्पोरेशन के सभी कार्यालय पूरी तरह सक्रिय हो रहे हैं। हाल में गुजरात के सूरत जले के मुलाड गांव में सहमति शिविरों यानी कंसेंट कैप का भी आयोजिन किया गया। बुलेट ट्रेन के लिए बनने वाले ट्रैक आदि के रास्ते में पड़ने वाली संरचनाओं आदि के स्थानांतरण का काम भी सूरत और अहमदाबाद में शुरू हुआ है। अहमदाबाद के ही साबरमती हब के निर्माण का काम भी गति पकड़ रहा है। बहुत निकट भविष्य में ही सब कुछ पूरी तरह सक्रियता से शुरू हो जायेगा।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmadabad, 25.5.2020
Page No. 2, Size:(17.11)cms X (15.07)cms.

लॉकडाउन के चलते पड़ा था असर

नेशनल हाइस्पीड का कामकाज फिर से पकड़ने लगा है स्पीड

गांधीनगर @ पत्रिका. लॉकडाउन के चौथे चरण में कुछ राहत मिलने के बाद अब नेशनल हाइस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने अपनी गतिविधियों को फिर से शुरू किया है। जैसे- जैसे लॉकडाउन प्रतिबंध कम हो रहे हैं, नेशनल हाईस्पीड अपने सभी कार्यालयों को खोलने और निर्माण गतिविधि, भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया, सहमति शिविर और उपयोगिता स्थानांतरण जैसे विभिन्न साइट कार्यों को फिर से शुरू करने के लिए कमर कस रहा है।

नेशनल हाईस्पीड कार्पोरेशन लिमिटेड की प्रवक्ता सुषमा गौर के अनुसार लॉकडाउन अवधि का उपयोग विभिन्न विभागों के बीच सभी प्रयासों को समन्वित करने और उन्हें विभिन्न हितधारकों जैसे राइट्स, जापानी इंटरनेशनल कंसल्टेंट्स के साथ तालमेल बनाने के लिए किया गया था। यह वह समय था जब हमने तीन सक्रिय निविदाओं के लिए अपनी पहली ऑनलाइन बोली-पूर्व बैठक आयोजित की। तकनीक की मदद से आगे बढ़ने में यह एक बड़ी छलांग है।

सभी नेशनल हाईस्पीड के प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से नियमित रूप से बैठक कर रहे थे ताकि सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सके और उनके द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों पर एक-दूसरे को अपडेट किया जा सके। लॉकडाउन के दौरान भी लिए काम कभी नहीं रुका। उन्होंने कहा कि अब, जैसा कि हम कार्य दिनचर्या को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन सामाजिक संतुलन और उन्नत स्वच्छता मानकों

के साथ, सभी कार्यालय पूर्ण रूप से काम शुरू कर रहे हैं। हाल ही में सूरत जिले के मूलाड गांव में सहमति शिविरों का आयोजन किया गया था। सूरत और अहमदाबाद में फिर से काम शुरू किया गया, साबरमती हब निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य शुरू हो रहा है।